इकाई-I

2. वे दिन भी क्या दिन थे

सोचिए-बोलिए

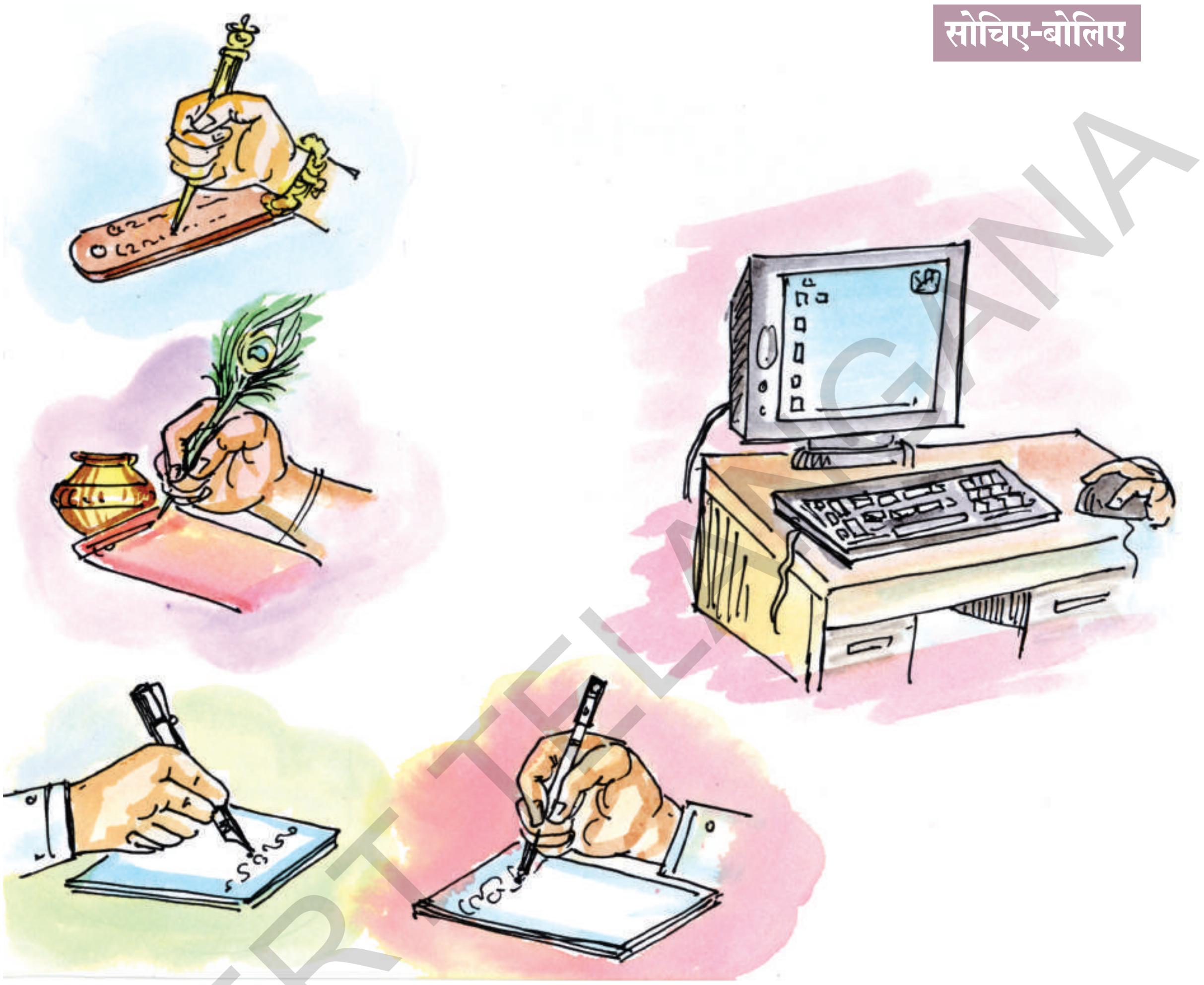

SCERT TELANGANA

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. पुराने ज़माने में लिखने के लिए किन-किन चीज़ों का प्रयोग किया जाता था?
3. कंप्यूटर से क्या-क्या लाभ हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

घटना महत्वपूर्ण थी वरना कुम्मी अपनी डायरी में उसे क्यों लिखती। अपनी डायरी में उसने 17 मई 2155 की रात को लिखा, '' आज रोहित को सचमुच की एक पुस्तक मिली है।''

वह पुस्तक बहुत पुरानी थी। कुम्मी के दादा ने बताया था कि जब वे बहुत छोटे थे तब उनके दादा ने कहा था कि उनके ज़माने में सारी कहानियाँ कागज़ पर छपती थीं और पढ़ी जाती थीं। पुस्तकों में पृष्ठ होते थे जिन पर कहानियाँ छपी होती थीं और हर पृष्ठ पढ़ने के पश्चात् दूसरा पृष्ठ पलटकर आगे पढ़ना होता था। सारे शब्द स्थिर रहते थे, चलते नहीं थे जैसे आजकल पर्दे पर चलते हैं।

रोहित ने कहा था, ''कितनी पुस्तकें बेकार जाती होंगी। एक बार पढ़ी और फिर बेकार हो गई। अब तो हमारे टेलीविज़न के पर्दे पर न जाने कितनी पुस्तकों की सामग्री आ जाती है और फिर भी यह पुस्तक नई की नई रहती है।''

कुम्मी ने भी रोहित की हाँ में हाँ मिलाई। फिर पूछा, ''तुम्हें वह पुस्तक कहाँ मिली?''

रोहित ने बताया, ''अपने घर में। एक पुराना डिब्बा कहीं दबा पड़ा था। उसी को फेंक रहे थे कि उसमें से यह पुस्तक मिली।''

''इसमें क्या लिखा है?''

''स्कूलों के बारे में लिखा है।''

''स्कूल?'' कुम्मी ने प्रश्न किया।

उसके विषय में लिखने को है ही क्या? हर विद्यार्थी के घर पर एक मशीन होती है जिसमें टेलीविज़न की तरह का एक पर्दा होता है। रोज़ नियमित रूप से उसके सामने बैठकर हमें यह सब याद करना होता है जो वह मशीन हमें बताती है। सारा गृहकार्य करके दूसरे दिन उसी मशीन में डाल देना होता है। हमारी गलतियाँ बताकर फिर वह हमें समझाती है। एक विषय पूरा होने पर वही मशीन हमारी परीक्षा लेकर हमें आगे पढ़ाना आरंभ कर देती है.....'' कहते-कहते कुम्मी थक गई थी। अंत में बोली, ''कितना उबाऊ होता है यह सारा स्कूल का काम!''

रोहित मुस्कुराते हुए उसकी बातें सुन रहा था, ''अरे बुद्धू, जैसे स्कूल का वर्णन इस पुस्तक में है, वह इससे भिन्न होता था। इसमें तो उन स्कूलों के बारे में लिखा है जो सदियों पहले होते थे।''

कुम्मी के मन में कुछ उत्सुकता जगी, बोली, ''फिर भी उनके यहाँ मशीन के बने अध्यापक तो होते ही होंगे?''

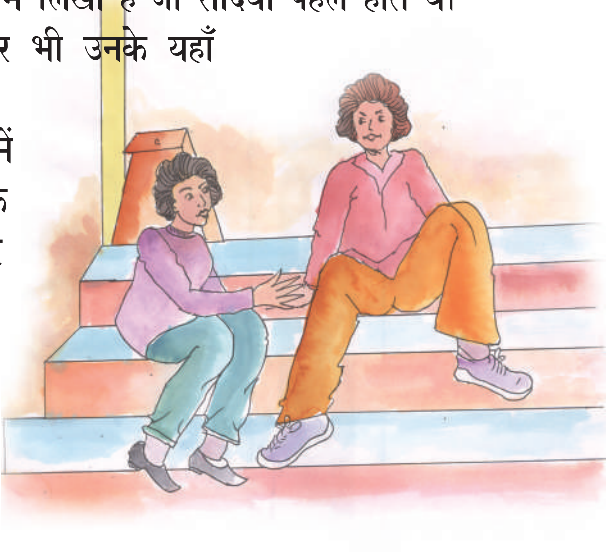

कुम्मी को याद आया कि एक बार जब उससे भूगोल में रोज़ वही गलतियाँ होने लगी थीं, तो उसकी माँ ने मुहल्ले के अध्यक्ष को बताया था। तब एक आदमी आया था और उसने उस मशीन के पुर्ज़े-पुर्ज़े अलग कर दिये थे। तब उसने मन-ही-मन यह मनाया था कि वह आदमी इस बोर करने वाले अध्यापक को पुनः जोड़ न पाए, तो उसे हमेशा के लिए छुट्टी मिल जाए। लेकिन उस आदमी ने मशीन को फिर से जोड़कर उसकी माँ को बताया था, ''लगता है

मशीन के भूगोल की चक्की कुछ तेज़ रफ्तार पर थी, सो आपकी लड़की के लिए उसे समझना कठिन हो गया था। मैंने अब उसकी गति कुछ धीमी कर दी है, सो आशा है अब ठीक रहेगा।''

और कुम्मी को उसी समय भूगोल का सबक़ सीखने बैठ जाना पड़ा था। मन-ही-मन वह उस मशीनी-अध्यापक को कोसती रही थी।

तभी रोहित ने सोचने के सिलसिले को तोड़ा। बोला, ''हाँ, तब अध्यापक तो होते थे परंतु मशीन नहीं, स्त्रियाँ और पुरुष होते थे।''

''क्या कहा? कहीं कोई स्त्री या पुरुष इतने सारे विषय हमें सिखा सकता है?''

''क्यों नहीं? वह बच्चों को सारे विषय समझाते थे, गृहकार्य देते थे और प्रश्न पूछते थे। अध्यापक बच्चे के घर नहीं जाते थे बल्कि बच्चे एक विशेष भवन में जाते थे जिसे स्कूल कहते थे।'' कुम्मी का अगला प्रश्न था, ''तो क्या सब बच्चे एक समय में एक जैसी चीजें सीखते थे?''

''हाँ। एक आयु के बच्चे एक साथ बैठते थे।''

''लेकिन माँ कहती हैं कि मशीनी अध्यापक हर बच्चे की समझ के अनुसार पढ़ाता है, फिर पुराने ज़माने में यह कैसे संभव होता था?''

''तब वे लोग इस प्रकार नहीं करते थे। रहने दो, तुम्हारी इच्छा नहीं है तो मैं वह पुस्तक तुम्हें नहीं दूँगा।''

कुम्मी झट बोली, ''नहीं नहीं, मैं उसे पढ़ना चाहूँगी कि तब स्कूल कैसे होते थे। कितनी अजीब-अजीब बातें जानने को मिलेंगी।''

इतने में अंदर से माँ की आवाज़ सुनकर कुम्मी बोली, ''लगता है सबक़ का समय हो गया है।''

रोहित भी उठा और अपने घर की ओर चला गया। कुम्मी अपने घर की ओर चली गई। अंदर मशीन आगे का सबक़ देने के लिए तैयार थी। मशीन से आवाज़ आनी आरंभ हो गई। ''सबसे पहले आज तुम्हें गणित सीखना है। कल का होम-वर्क छेद में डालो..''

कुम्मी ने वैसा ही किया। वह सोच रही थी कि कितने अच्छे होते होंगे वे पुराने स्कूल जहाँ एक ही आयु के सारे बच्चे हँसते खेलते-कूदते स्कूल जाते होंगे..और पढ़ाने वाले पुरुष और स्त्रियाँ होते होंगे....

इतने में मशीन से स्वर आना आरंभ हो गया था और पर्दे पर चलते हुए अक्षर एवं अंक आने शुरू हो गए थे। और कुम्मी सोच रही थी कि तब स्कूल जाने में कितना आनंद आता होगा, कितने खुश रहते होंगे सारे बच्चे।

-आइज़क असीमोव

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. इस पाठ को सुनने के बाद आपके मन में कैसे विचार उठ रहे हैं? बताइए।
2. रोहित ने कहा था, ''कितनी पुस्तकें बेकार जाती होंगी। एक बार पढ़ी और फिर बेकार हो गईं।'' क्या सचमुच में ऐसा होता है, बताइए।
3. हमें किताबें पढ़ना चाहिए। किताबें हमारे लिए किस प्रकार लाभदायक हैं, बताइए।

पढ़िए

I. नीचे दिये गये शब्दों से संबंधित शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए।
उदाहरणः <u>**नई**</u> पुस्तक
1......... डिब्बा 2......... अध्यापक 3......... भवन

II. पाठ में से कुछ प्रश्नवाचक वाक्यों को चुनकर लिखिए।
उदाहरण :- इसमें क्या लिखा है?

III. पाठ पढ़िए और लिखिए कि निम्नलिखित शब्दों के बारे में पाठ में क्या कहा गया है-
1. शब्द 2. कहानी 3. पुस्तक 4. स्कूल

IV. पाठ पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
1. पाठ में किन-किन विषयों के नाम आये हैं? लिखिए।
2. कुम्मी मन-ही-मन में मशीनी अध्यापक को क्यों कोस रही थी?
3. कुम्मी ने अपनी डायरी कब लिखी थी?

लिखिए

1. कुम्मी के स्थान पर यदि आप होते तो 2155 के स्कूलों की स्थितियों का वर्णन कैसे करते? आपके और कुम्मी के विचारों में किन-किन बातों में अंतर होता?
2. आप मशीन की मदद से पढ़ना चाहेंगे या अध्यापक की मदद से? दोनों के पढ़ाने में कौन-कौन सी आसानियाँ और मुश्किलें हैं? लिखिए।
3. मशीनी अध्यापक विषयों को पढ़ाने के अतिरिक्त क्या खेल के मैदान में भी आप की मदद कर सकता है? बताइए।

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

I. आज हमारे अधिकतर काम कंम्प्यूटर की मदद से होते हैं। सोचिए और लिखिए कि अपने व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में हम कंप्यूटर का इस्तेमाल किन-किन कार्यों के लिए करते हैं।

व्यक्तिगत जीवन	**सार्वजनिक जीवन**
1. उदा : ई-मेल	प्रस्तुतीकरण

II. 1. रोहित की पुस्तक पुरानी थी किन्तु कुम्मी की पुस्तक नई थी।

2. भूगोल की चक्की कुछ तेज़ रफ्तार पर थी सो मैंने अब उसकी गति कुछ धीमी कर दी है।

(उपर्युक्त वाक्यों में विलोम शब्दों को रेखांकित कीजिए और उनसे एक-एक वाक्य बनाइए)

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

इस कार्यक्रम का नाम है ''डायल यूअर टीचर''। अध्यापक / अध्यापिका श्यामपट को टेलीविज़न का पर्दा मानकर स्वयं उद्घोषिका/ उद्घोषक (आँकर) बनती/ बनता है। सारे बच्चे अपने हाथों को फोन के रूप में उपयोग कर फोन डायल करते हैं। छात्रों को अपने फोन नं. पहले ही दिए जा चुके हैं । छात्र एक-के-बाद एक फोन करेंगे और विज्ञान की प्रगति के बारे में बोलेंगे ।

उदाहरण के रूप में :

(1) फिल्मों में ....

(2) गाँवों की हालत में ....

(3) पर्यावरण में ....

(4) स्कूल में ....

(5) दैनिक जीवन में ....

उपर्युक्त विषयों के संबंध में हुए परिवर्तन को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रशंसा

अपनी मनपसंद कहानियों की किताब के बारे में लिखिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

था, है, होगा

I. असीमोव की कहानी 2155 यानि भविष्य में आने वाले समय के बारे में है। फिर भी कहानी में 'थे' का इस्तेमाल हुआ है जो बीते समय के बारे में बताता है । ऐसा क्यों है?

II. (1) 'मैं' जब छोटा था ....इस शीर्षक से जुड़े किसी अनुभव का वर्णन कीजिए।

(2) अपने स्वभाव, अच्छाइयों, कमियों,पसंद-नापसंद के बारे में लिखिए।

(3) अगली छुट्टियों में आपको नानी के पास जाना है। वहाँ आप क्या-क्या करेंगे, कैसे वक़्त बितायेंगे - इस पर एक अनुच्छेद लिखिए।

आपने जो तीन अनुच्छेद लिखे हैं, उनमें से पहले का संबंध उससे है जो बीत चुका है।

दूसरे में अभी की बात है।

तीसरे में बाद में घटने वाली घटनाओं का वर्णन है।

इन अनुच्छेदों में इस्तेमाल की गयी क्रियाओं को ध्यान से देखिए। ये <u>**बीते हुए**</u>, <u>**अभी के**</u> और <u>**बाद के**</u> समय के बारे में बताती हैं।

परियोजना कार्य

नीचे कुछ वस्तुओं के नाम दिये गये हैं। बड़ों से पूछकर पता कीजिए कि बीस साल पहले इनकी क्या कीमत थी और अब इनका कितना दाम है ?

वस्तु का नाम	बीस साल पहले	अब
1. आलू	....	....
2. केला	....	....
3. शक्कर	....	....
4. दाल	....	....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA